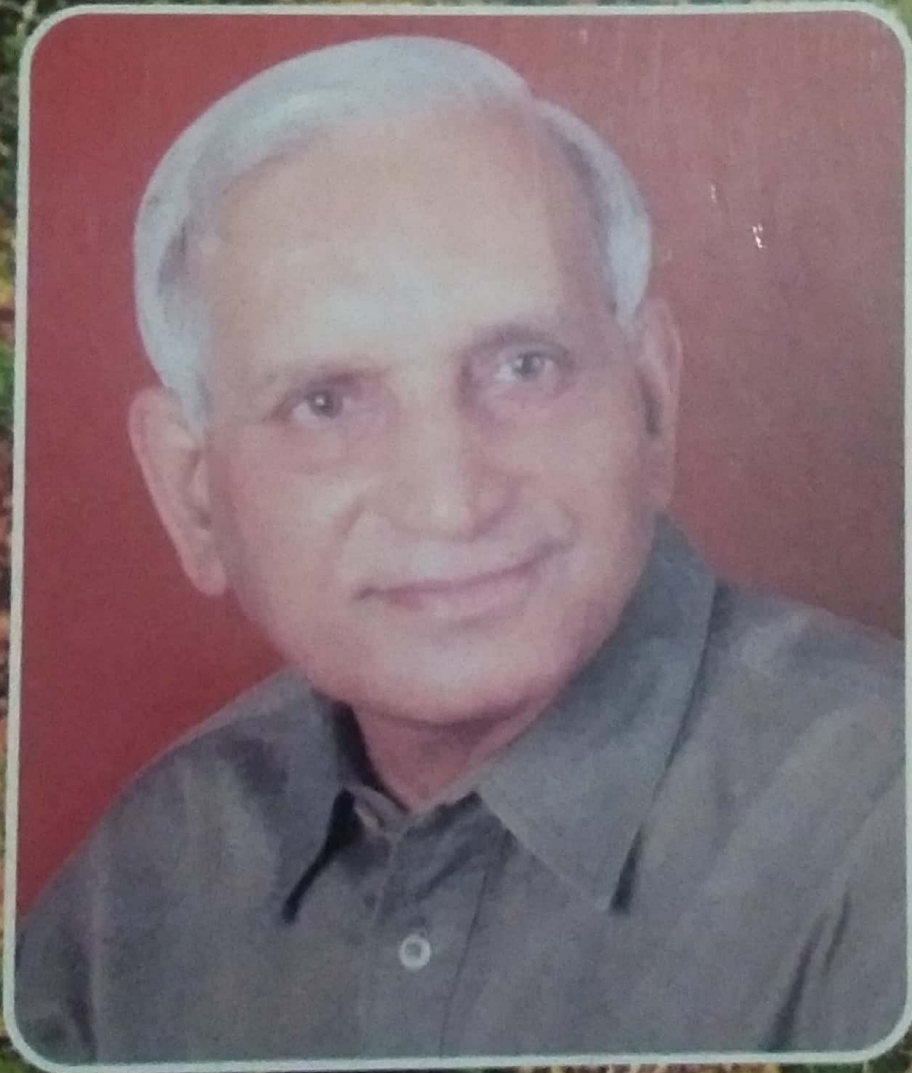


अक्षत  
शरद २००८



डॉ. सुरेश गौतम पर एकाग्र

## अक्षत

नवगीत एवं ललित निबंध की जरूरी पत्रिका

अक्षत - २६

शरद २०६५

ईस्वी सन् - २००८

संपादन संचालन  
पूर्णतः अवैतनिक

अव्यावसायिक  
अनियतकालीन प्रकाशन

आवरण सज्जा  
वरुण गौतम

प्रकाशित रचना के विचारों से  
संपादक का सहमत होना  
आवश्यक नहीं है।

सहयोग राशि  
एक अंक - २५/- रुपये  
वार्षिक - ५०/- रुपये  
आजीवन - १०००/- रुपये

मुद्रक  
एम.एण्ड एस. ग्राफिक्स  
आनन्द नगर, खण्डवा.

परामर्श

डॉ. श्यामसुन्दर दुबे

संपादक

डॉ. श्रीराम परिहार

संपादन सहयोग

विनय उपाध्याय

संपर्क

आजाद नगर,

खण्डवा - ४५० ००१

दूरभाष - २२४६६५५

अक्षत



## अक्षत - २६

### गौमुख

डॉ. सुरेश गौतम - जीवन वृत्त/१,

### सर्जन - तीर्थ

मैं 'मनुर्भव' को समाज और राष्ट्र का सूत्रवाक्य बनाना चाहता हूँ/६,

मन का स्वर संधान/१४

### व्यक्ति - निर्झर

संस्कृति एवं अस्मिता को सही ढंग से पहचानने की कोशिश/२२

रसधर्मी ललित आलोचक : सुरेश गौतम/३२

कुशल प्रशासक, संवेदनशील सर्जक, संस्कृतिप्रेमी एवं देशप्रेमी /३५

### भाव - संगम

सौभाग्य-चारुतालक्षी भारतीय गीति-काव्य की चिन्ताधारा के नेदिष्ण मर्मज्ञ : सुरेश गौतम

/ ३७, दण्डी का लालित्य-वैभव : सुरेश गौतम / ४२, सुरेश गौतम होने का अर्थ /

४८, सूर्यस्पर्शा लेखनी का स्वामी / ५१, सुरेश गौतम की समीक्षा पद्धति में रस और लालित्य

/ ५४, अलक्षित के लक्ष्य-संघाता : सुरेश गौतम / ६०, समष्टि चेतता : सुरेश गौतम /

६६, आलोचना की अनुपस्थिति में ललित आलोचना / ७१, रचनाधर्मी सचेतस सुरेश

गौतम : वैविध्य का एकत्व / ७६, सुरेश गौतम : अभिव्यक्ति के बहुरंगी सांस्कृतिक

धरातल / ७९

### रस - कलश

गीति-काव्य समीक्षा के आधुनिक जनक: सुरेश गौतम / ८२

सुरेश गौतम का 'गीत' दर्शन / ८४

हिन्दी गीत विधा के शिखर आस्वादक एवं

ललित आलोचना के आविर्भावक : सुरेश गौतम / ८६

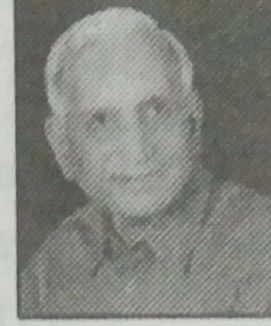
गीत-रथ और सुरेश गौतम / ८९, सुरेश गौतम की समीक्षा-सृष्टि / ९३

मूल्यधर्मी पत्रकारिता की तलाश में सुरेश गौतम / ९७

### संपादकीय

वाग्बिम्बाश्रयी समीक्षा के प्रवर्तक / ९९

## डॉ. सुरेश गौतम



1. नाम : सुरेश गौतम
2. पिता : स्व. श्री रविदत्त गौतम
3. जन्म : 12, अगस्त, 1948
4. पता : 'सौभाग्यश्री' 737, डॉ. मुखर्जी नगर,  
दिल्ली - 110009
5. संवाद : 27605000, 09871297078
5. कार्य-क्षेत्र : पूर्व प्रो. एवं अध्यक्ष  
हिन्दी साहित्य, अनुसंधान एवं सामग्री निर्माण विभाग,  
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा - 282005  
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
6. शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) प्रथम श्रेणी,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,  
1972 पी-एच.डी. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,  
1977 डी. लिट्. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,  
शिमला, 1995
7. शोध कार्य : 36 वर्ष।  
का अनुभव
8. प्रकाशित ग्रन्थ : 1. अंधायुग : एक सृजनात्मक उपलब्धि  
2. कामायनी : एक यूतोपिया  
3. छायावादोत्तर हिंदी गीतिकाव्य (शोध प्रबंध)

# कन्यादान-महादान



अब तक **60 हजार** विवाह

रायसेन और सिवनी में एक ही मंडप के नीचे विवाह के विश्व कीर्तिमान

**मध्यप्रदेश सरकार का सामाजिक अनुष्ठान**

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह की पहल पर मंडला से 30 अप्रैल 2006 को शुरू हुआ गरीब बेटियों के हाथ पीले करने का सिलसिला अब तक हो चुके हैं 60 हजार विवाह। सामाजिक सौहार्द की नयी मिसालें बन रहे हैं यह विवाह। वैदिक मंत्र, निकाहनामे और अन्य वर्गों के विधि विधान से पूरे हो रहे हैं यह पवित्र संस्कार। कन्यादान के पुण्य में सहभागी हैं राज्य के सामाजिक संगठन भी।

## मुख्यमंत्री कन्यादान योजना

संभाग	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य वर्ग	कुल
इंदौर	712	5534	5531	11777
भोपाल	2719	2630	4761	10110
जबलपुर	892	3853	4763	9508
ग्वालियर	2119	1560	5173	8852
उज्जैन	1519	686	5315	7520
रीवा	1672	2851	1677	6200
संगर	1250	557	3967	5774

**वधू पक्ष है सरकार**